

This question paper contains 3 printed pages]

HPAS (Main)—2017

PHILOSOPHY

Paper II

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

Note :— Attempt five questions. Question No. 1 is compulsory.

All questions carry equal marks.

पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Write short notes on the following :

निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(i) Triratna theory of Jainism

जैन दर्शन का त्रिरत्न सिद्धांत

(ii) "If God is omniscient, man is not free." Explain.

"यदि ईश्वर सर्वज्ञ है तो मनुष्य स्वतंत्र नहीं है।"

व्याख्या कीजिए।

P.T.O.

(iii) Sense and Reference (Frege)

तात्पर्य एवं निर्देश (फ्रेगे)

(iv) Secularism and pseudo-secularism

पंथनिरपेक्षतावाद एवं छद्म-पंथनिरपेक्षतावाद

2. "Philosophy of Religion is neither philosophy nor religion."

Critically explain.

“धर्म-दर्शन न तो धर्म है न दर्शन।” आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

3. "The heart has its reason, which reason does not know."

Explain it in the light of religious faith.

“हृदय के पास अपनी बुद्धि होती है, जिसे तर्कबुद्धि नहीं जान पाती।” धार्मिक आस्था के आलोक में इसकी व्याख्या कीजिए।

4. Critically discuss Austin's Speech act theory.

आस्टिन के वाक् क्रिया सिद्धांत की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए।

5. Do you think that Democracy is the best form of government ? Is there any scope of beyond democracy ? Discuss.

क्या आप मानते हैं कि प्रजातंत्र शासन का सर्वोत्कृष्ट रूप है ? क्या प्रजातंत्र से परे कोई सम्भावना है ? विवेचन कीजिए।

6. Explain the main causes of ecological imbalance. How can philosophy be useful to solve it ?

पारिस्थितिकीय असंतुलन के मुख्य कारणों की व्याख्या कीजिए। इसके समाधान में दर्शनशास्त्र किस प्रकार सहायक हो सकता है ?

7. Critically evaluate the various theories of punishment.

दण्ड के विभिन्न सिद्धांतों की आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

8. "The Geeta teaching stands not for the renunciation of action but renunciation in action." Critically discuss.

"गीता कर्म का त्याग नहीं बल्कि कर्म में त्याग की शिक्षा देती है।" आलोचनात्मक विवेचन कीजिए।